**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**लोक सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या: 768**
**गुरुवार, 4 दिसंबर, 2025/13 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर**

## कोयम्बटूर विमानपत्तन का विस्तार

**768. श्री तमिलसेल्वन थंगा:**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या कोयम्बटूर विमानपत्तन के विस्तार के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसमें रनवे की लंबाई 2990 मीटर से बढ़ाकर 3810 मीटर करना, एक नए यात्री टर्मिनल, कार्गो टर्मिनल और एक हवाई यातायात नियंत्रण-सह-तकनीकी भवन का निर्माण, परियोजना के लिए नई अधिग्रहीत भूमि पर प्रीकास्ट चारदीवारी का निर्माण, रनवे की लंबाई बढ़ाना, नए यात्री टर्मिनल और कार्गो टर्मिनल का निर्माण शामिल हैं;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और प्रस्तावित विस्तार कब तक पूरा होने की संभावना है; और
(ग) क्या सरकार को विस्तार कार्यों को क्रियान्वित करने में किसी बाधा का सामना करना पड़ रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क) से (ग): हवाईअड्डों का विस्तार एक सतत प्रक्रिया है और इसे हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा समय-समय पर अपेक्षित भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक कारकों और यातायात की माँग या एयरलाइनों की परिचालन शुरू करने/बढ़ाने की इच्छा के आधार पर किया जाता है। कोयम्बटूर हवाईअड्डे पर नए एप्रन बे के साथ नए एकीकृत टर्मिनल भवन (टी3) के निर्माण का प्रस्ताव भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण में प्रारंभिक चरण में है।

*****